

25/2/22

पत्रावली पेश हुई सोच 5 10 वर्षों
 तक बार-बार आया डिमांड
 वाले वही अकालत व वफावत
 अथ पश्चात ही आता वही का वाड
 आता हाथी अथ पेशी से अथ ही
 किया जात है पत्रावली ही का
 आता ही कर ही नखर से का है
 तथा हाथीवत हए है

